Regarding educational, social and economic upliftment of nomadic and semi-nomadic tribes in the country ? laid

श्री रमाकान्त भार्गव (विदिशा): विमुक्त घुमंतू और अर्द्ध घुमंतू जाति के परिवारों के लिए भारत सरकार द्वारा इन समुदायों की पहचान करने के लिए वर्ष 2008 में रेनके आयोग एवं 2018 में इदाते आयोग का गठन किया गया था । समुदाय की प्रमुख समस्याएं विपन्नता एवं घुमंतू प्रवृत्ति होने के कारण स्थाई आवास ना होना है, साक्षरता प्रतिशत का न्यूनतम होना, स्थाई एवं पक्के आवास की समस्या, बहुतायत आबादी का गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन, सामाजिक दूरी, कुछ जातियों की शिकारी एवं अन्य अपराधिक प्रवृत्तियों में संलग्नता पुनर्वास की समस्या एवं बेरोजगारी है उक्त जाति घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ होने से जिलेवार अधिकृत जनसंख्या की जानकारी का अभाव है एवं उक्त समुदायों की भारत एवं मध्य प्रदेश में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है । मैं माननीय मंत्री महोदय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से अनुरोध करता हूं कि मध्यप्रदेश में निवासरत विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू समुदायों के परिवारों का चिह्न अंकन एवं रजिस्ट्रेशन कर तदुपरांत उनके लिए योजनाएं तैयार कर उनके शैक्षणिक सामाजिक एवं आर्थिक स्तर का उन्नयन कर उनको मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कराने का कष्ट करें ।